अध्याय पंचम

सारांश निष्कर्ष एवं सुझाव

5 1 साराश

आकाशवाणी से प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रमो को रूचिकर बनाने के लिये कई प्रयास किये जा रहे है यह शैक्षिक कार्यक्रम न केवल शिक्षको के लिये अपितु विद्यार्थियो के लिये भी रूचिकर साबित हो रहे है ।

प्रस्तुत अध्ययन इसी कार्यक्रम पर आधारित है । जिसकी रूपरेखा निम्न है

5.2 प्रस्तुत अध्ययन :

आकाशवाणी से प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रमो का विद्यालयीन शिक्षको द्वारा उपयोग का अध्ययन

5.3 उद्देश्य :

- विद्यालयीन शैक्षिक प्रसारण की नियमितता एव प्रकति का अध्ययन करना
- विद्यालयीन शैक्षिक प्रसारण की प्राथमिक स्तर के शिक्षको द्वारा उपयोगिता का अध्ययन करना
- प्रसारण का छात्रो की अधिगम प्रक्रिया पर प्रभाव का अध्ययन करना ।
- विद्यालयीन शैक्षिक प्रसारण की गुणवत्ता का अध्ययन करना ।
- विद्यालयीन शैक्षिक प्रसारण की कमियो एव सुझाव का अध्ययन करना ।

5.4 अध्ययन की विधि एवं उपकरण .

प्रस्तुत अध्ययन मे शहडोल जिले के ग्रामीण क्षेत्रो से 30 प्राथमिक शिक्षक तथा 60 विद्यार्थियो को शामिल किया गया था।

प्रस्तुत शोध कार्य के लिये प्राथमिक शिक्षको तथा विद्यार्थियो के लिये अलग अलग प्रश्नावली बनायी गयी थी । जिनमे कुल 18 प्रश्न थे ।

5.5 निष्कर्ष :

प्रस्तुत लघु शोध के निष्कर्ष निम्नलिखित है –

– शैक्षिक प्रसारण सबधी सुविधाओ के सदर्भ मे प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रो के लगभग आधे (43 3%) प्राथमिक विद्यालयो मे आकाशवाणी के शैक्षिक प्रसारण की सुविधाएँ उपलब्ध है ।

– प्राथमिक कक्षाओ के शिक्षको से प्राप्त जानकारी के अनुसार आकाशवाणी से प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रम छात्र छात्राओ के लिये अत्यत उपयोगी है क्योंकि ये कार्यक्रम मुख्यत भाषा, विज्ञान एव सामान्य ज्ञान विषय से सबधित होते है ।

– प्राथमिक कक्षाओ के शिक्षको से प्राप्त जानकारी के अनुसार आकाशवाणी से प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रम छात्र छात्राओ की अधिगम प्रक्रिया पर प्रभाव डालता है क्योकि कार्यक्रम पर छात्र छात्राए निरतर जिज्ञासा प्रकट करते है ।

– प्राथमिक कक्षाओ के शिक्षको से प्राप्त जानकारी के अनुसार आकाशवाणी से प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रम छात्र छात्राओ के लिये लाभदायक है क्योंकि कार्यक्रम सुनने से उनका ज्ञानात्मक, नैतिक एव बहुमुखी विकास होता है ।

– आकाशवाणी से प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रम को प्राथमिक कक्षाओ मे बालको को बिना किसी कठिनाई के सुनवाना एक दुष्कर कार्य होता है क्योकि सुनवाने की व्यवस्था सुचारू रूप से हो नहीं पाती ।

– प्राथमिक कक्षाओ के अधिकतर शिक्षको के मतानुसार ग्रामीण क्षेत्रो के प्राथमिक विद्यालयो मे

एक रेडियो होना चाहिये ।

– लगभग एक चौथाई छात्र छात्राओ के अनुसार रेडियो के शैक्षिक कार्यक्रम को उनके नियमित कालखड मे शामिल किया जाना चाहिये ।

– लगभग एक चौथाई प्राथमिक कक्षा के शिक्षको एव इतने ही छात्र छात्राओ द्वारा आकाशवाणी से प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रमो मे भागीदारी की जाती है ।

– लगभग आधे से अधिक प्राथमिक कक्षाओ के शिक्षको को कार्यक्रम की जानकारी है ।

5.6 सुझाव :

- विद्यालयो को सब दृश्य सामग्री उपलब्ध होना चाहिये
- विद्यालयो को कार्यक्रम निर्देशिका समय पर उपलब्ध पर होना चाहिये
- विद्यालयो मे रेडियो प्रसारण से सबधित विभाग बनाकर किसी शिक्षक को इसका प्रभारी बनाना चाहिए
- दोनो पाठ्यक्रमो ﴾राज्य सरकार व केन्द्र सरकार के﴿ के आधार पर रेडियो पाठो का निर्माण होना चाहिए ﴿
- कार्यक्रम प्रसारित करने के बाद विद्यालयो मे इसका परिणाम देखा जाना चाहिए

5.7 भविष्य के लिये शोध सुझाव :

1 भविष्य मे यह शोधकार्य टी वी से प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रमो की उपयोगिता पर किया जा सकता है ।

2 शैक्षिक कार्यक्रमो से बालको पर पडने वाले प्रभाव का अध्ययन किया जा सकता है ।

3 आकाशवाणी एव दूरदर्शन से प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रमो का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है ।

4 दूरदर्शन आकाशवाणी से प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रमो की गुणवत्ता एव उपयोगिता का सर्वेक्षणात्मक अध्ययन किया जा सकता है